

हंस *m.* हंसी *f.* IV. 15.

हट् Markt XXVI. 16.

हत्या *f.* am Ende eines Comp. XXVI. 23.

हन् 2. *Act.* 1) Verletzen, schlagen. 2) Gehen IX. 6. *Wann* न in णा übergeht und wann nicht VIII. 22. III. 112. *Wann* अ ausfällt III. 153. — कृतस्, घ्नति IX. 7. त्रहि 8. अबधीत् 9. त्रधान, त्रघ्नतुस्, कृता, बध्यात्, हनिष्यति (VIII. 90.) 10. — त्रध्विस् oder त्रधन्वस् XXVI. 134. — Zunichtemachen: कृत्वशुभानि वः III. 143. *Str.* 2. अपि कन्यादघं शंभुः XXV. 16. — *Pass.* und *Impers.* हन्यते; अघानि oder अबधि, अघानिषाताम् oder अबधिषाताम् u. s. w. XXIV. 3, 5. — *Caus.* घातयति XVIII. 25. — *Desid.* त्रिधांसति XIX. 3. — *Intens.* त्रङ्घ्न्यते XX. 8. त्रेघ्नोयते 9. त्रङ्घ्नीति oder त्रङ्घ्नति, त्रङ्घ्नतस्; त्रङ्घ्नति oder त्रङ्घ्नति 17.

— व्यति (व्यतीहारे) *Act.* व्यतिघ्नति XXIII. 55, 56.

— आ. *Act.* Schlagen. शत्रुमाहति XXIII. 19. — *Med.* आहते XXIII. 17. आहत oder अबधिष्ट, आहसाताम् oder अबधिषाताम् 18. — *Med.* 1) *Intrans.* XXIII. 17. आहते; अबधिष्ट; आघानिष्ट oder आहत XXIV. 12. — 2) Sich (ein Glied) schlagen: उर आहते «er schlägt sich die Brust» XXIII. 17.

— नि. Vernichten. निहन्तु ते विजुरघानि III. 143. *Str.* 1. —

निघ्नान «zu tödten im Stande»: शत्रुं निघ्नानः XXVI. 140.

— प्रणि VIII. 22. प्रणिहृतस् IX. 7. .

— विनि Vernichten: तूस्तानि विनिहति XXI. 17. v. 1.

— प्र. प्रहन्वस् oder प्रहणवस्, प्रहन्मस् oder प्रहणमस् IX. 7. VIII. 22. प्रहणिष्यति IX. 10. — प्रहृत्य XXVI. 212.

— वि Vernichten: तूस्ताति विहति XXI. 17.

हन्. *Declin.* III. 111.

हन *Nom. ag.* von हन् XXVI. 30.

हनु *f.* IV. 29.

ह्य् 1. *Act.* Gehen. अह्यीत् VIII. 71.

हर *m.* Īiva, हरि *m.* Vishnu V. 7.